प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय

महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रोद्योगिकी विष्वविद्यालय,
उदयपुर – 313001 भारत

डा.एस. एस. राठौड़
अधिष्ठाता

क्रमांक सीटीएई/एस एस /2017/
दिनांक 26.3.2017

प्रेस विज्ञप्ति

सीटीएई में टेक फेस्ट –2017 सम्पन्न

उदयपुर 26 मार्च 2017 । प्रौद्योगिकी एवं अभियांत्रिकी महाविद्यालय में चार दिन से चल रहे सांस्कृतिक समारोह, 'टेक फेस्ट –2017' के अन्तर्गत एकल एवम युगल गायन, समूह गायन, एकल एवम युगल नृत्य, समूह नृत्य एवं फैशन शो के आयोजन के साथ सुखाड़िया विश्वविद्यालय के सभागार में सम्पन्न हुआ ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति माननीय डा. उमाषंकर शर्मा ने टेक फेस्ट – 2017 के उपलक्ष्य में आयोजित वार्षिक उत्सव एवं पुरुस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में टेक फेस्ट में होने वाली विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की आवश्यकता एवं उपादेयता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि इसमें अभियांत्रिकी छात्रों का एक अलग ही रूप सामने आता है जिसमें वे अपनी ऊर्जा को सकारात्मक रूप में व्यक्त कर सकते हैं ।उन्होने पढाई के साथ शारीरिक दक्षता के साथ मनोवैज्ञानिक रूप से भी सक्षम होने पर जोर दिया।

उत्तम का नही वरन सर्वोतम का समय

मुख्य अतिथि वेदान्ता हिन्दुस्तान जिंक लिमिटेड की सी एस आर प्रमुख सुश्री नीलिमा खेतान ने अपने उद्बोधन में कहा कि वर्तमान समय उत्तम का नही वरन सर्वोतम का ही है। अतः संस्थान तथा उघोगों के मघ्य समन्वय स्थापित करके ही सीटीएई अभियांत्रिकी महाविद्यालयो मे राजस्थान मे प्रथम स्थान प्राप्त कर सकता है। सह शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से छात्र समूह में कार्य करने एवं नेतृत्व करने के साथ साथ आत्मविश्वास से भी परिपूर्ण हो जाते हैं। सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से न केवल वे अपनी संस्कृति से परिचित होते हैं अपितु कक्षाओं से बाहर आकर अपनी दक्षता को प्रदर्शित कर सकते हैं । विशिष्ठ अतिथि एबीवीपी के राज्य सह सचिव श्री राजेश गुर्जर ने कहा कि वर्तमान समय मे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के लिए देश की अखण्डता को खतरे मे नही डाला जा सकता। उन्होने शेर पढा कि

देखो आज खुले आम देश भक्ति के नारो को काटा जाता है। हद्वय रोने लगता है जब अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर देश को बाटॉ जाता है।

अधिष्ठाता डा. एस. एस. राठौड ने कहा कि वर्तमान में विश्वविद्यालय में सर्वाधिक छात्रों का महाविद्यालय होने के साथ ही हर क्षैत्र में उन्नति करके सम्पूर्ण उत्तरी भारत में सर्वोत्तम अभियांत्रिकी महाविद्यालय का खिताब हासिल किया है । साथ ही उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में इस वर्ष प्रवेश लेने वाली छात्राओं की संख्या में काफी वृद्धि हुई । हिन्दुस्तान जिंक को वेंदाता यशद स्कॉलारशीप के लिए घन्यवाद देते हुए अधिष्ठाता महोदय ने क्हा कि हिन्दुस्तान जिंक से महाविघालय एम.ओ. यु. भी बनने की प्रकिया मे है। साथ ही हिन्दुस्तान जिंक से अभियांत्रिकी छात्रो को नियोजित करने के लिए

कहा।कार्यक्रम में विभिन्न अभियान्त्रिकी संकायों के तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले सभी स्कायो के आठ छात्र–छात्राओं को 50,000 रुपये की राशि एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये ।

प्रस्तुतियों पर झूमा छात्र समुदायः नृत्य नाटिकाओं ने लुभाया

पारम्परिक एवं पश्चिमी वेशभूषा से सजे छात्र–छात्राओं ने एकल नृत्य में 'मेरे ढोलना, अभी तो पार्टी शुरू हुई है, निबुडा निबुडा, तु जो छुले प्यार से, आदि तथा युगल नृत्य मे नगाड़े सगं ढोल बाजे, मां तुझे सलाम एवमं समूह नृत्य में विभिन्न लोकनृत्य, पारम्परिक नृत्य एवं फिल्मी नृत्यों का प्रदर्शन कर प्रतिभागियों ने दर्शक दीर्घा में बैठे दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया । देश भक्ति की प्रतिबद्धता को दर्शाते हुए मॉ तुझे सलाम, वदें मातरम तथा रोमाटिंक गाने तु चीज बडी है मस्त मस्त, मोहे रंग दे गेहुआ, साडा हक ऐते रख एवम पनघट पर कन्हैया से मिले, जो है अलबैला वो किसना है, फिल्मी गीतों पर आधारित लिखे जो खत तुझे, तु प्यार है किसी और का आदि की समूह नृत्य नाटिकाओं से प्रदर्शित किया तो छात्र समुदाय ने तालियों की गड़गड़ाहट से सभागार को गुंजायमान कर दिया । नृत्य नाटिकाओं द्वारा छात्र समुदाय को झूमने पर विवश कर दिया । विभिन्न प्रतिभागियों को छात्र समुदाय की तालियों और हुटिंग से सराहना मिली।

कार्यक्रम में सहायक अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) एवं सीएलएसयू के सलाहकार डा. त्रिलोक गुप्ता ने जानकारी दी कि बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं के एकल गायन, समूह गायन, एकल नृत्य, समूह नृत्य आदि में भाग लेने के कारण पूर्व में ही स्क्रीन टेस्ट लेकर मेघावी छात्रों का चयन विभिन्न टीमों में किया गया । एकल गायन में प्रतिभागियों ने विभिन्न फिल्मी गीतों यथा चुरा लिया है तुम ने तो दिल मेरा, तुम से मिल कर मेरे दिल का हाल, एक हसीना थी एक दीवाना था, प्यार दिवाना होता है, क्या हुआ तेरा वादा, तुझे लागे ना नजरिया, मेरे हाथ मे तेरा हाथ हो, ढोल बाजे ढोल, यह दिल ना होता बेचारा गाकर सभी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया ।

युगल गायन में जाने जहा ढुढता फिर रहा, जय जय शिव शंकर, आयो रे मारो ढोलना, मॉ ओ प्यारी मॉ जाने जहां तुम कहा मैं कहा गानों पर अपनी प्रस्तुतियॉ देते हुए प्रतिभागियों ने समा बांध दिया। समूह गायन में प्रतिभागियों ने विभिन्न आंचलिक, देशभक्ति एवं पारम्परिक गीतों का गायन किया व 1200 से अधिक दर्शकों ने तालियों की बौछार कर सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया । महाविघालय के 1600 छात्र छात्राओ ने 40 से अधिक विभिन्न प्रतियोगिताओ मे भाग लिया और 350 छात्र छात्राओ को प्रथम, द्वितीय एंव तृतीय पुरस्कार प्रदान किये गये।

कार्यक्रम के अन्त में डॉ. त्रिलोक गुप्ता, सलाहकार सीएलएसयू एवं सहायक अधिष्ठाता (छात्र कल्याण) एवं सीटीएई के छात्र संघ अध्यक्ष अजय कुमार ने सभी कमेटी प्रभारियों, उनके सदस्यों सभी कार्यकर्ताओं एवं सम्पूर्ण छात्र समुदाय का कार्यक्रम के सफलता पूर्वक समापन हेतु आभार व्यक्त किया ।

(डा. एस. एस. राठौड़)
अधिष्ठाता, सीटीएई,उदयपुर